नगालैंड राज्य स्थापना दिवस

प्रिलिम्स के लिये:

नगालैंड की भौगोलिक अवस्थिति और जलवायु, नगा समुदाय

मेन्स के लिये:

भारतीय समाज के विकास में पूर्वोत्तर राज्यों का योगदान

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नगालैंड ने 1 दिसंबर, 2021 को अपना 59वाँ स्थापना दिवस मनाया।

- 1 दिसंबर, 1963 को नगालैंड को औपचारिक रूप से एक अलग राज्य के रूप में मान्यता दी गई थी, कोहिमा को इसकी राजधानी घोषित किया गया था।
- 'नगालैंड राज्य अधिनियम, 1962' नगालैंड को राज्य का दर्जा देने के लिये संसद द्वारा अधिनियमित किया गया था।

//

नगालैंड:

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
  - वर्ष 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद 'नगा' क्षेत्र प्रारंभ में असम का हिस्सा बना रहा। हालाँकि एक मज़बूत राष्ट्रवादी आंदोलन ने नगा जनजातियों के राजनीतिक संघ की मांग करना शुरू कर दिया और कुछ चरमपंथियों ने भारतीय संघ से पूरी तरह से अलग होने की मांग की।
  - वर्ष 1957 में असम के 'नगा हिल्स क्षेत्र' और उत्तर-पूर्व में 'तुएनसांग फ्रंटियर' डिवीज़न को भारत सरकार द्वारा सीधे प्रशासित एक इकाई के तहत एक साथ लाया गया था।
  - वर्ष 1960 में यह तय किया गया कि नगालैंड को भारतीय संघ का एक घटक राज्य बनना चाहिये। नगालैंड ने वर्ष 1963 में राज्य का दर्जा हासिल किया और वर्ष 1964 में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार ने सत्ता संभाली।
- **भौगोलिक अवस्थिति:**
  - यह पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश, दक्षिण में मणिपुर एवं पश्चिम तथा उत्तर-पश्चिम में असम और पूर्व में म्याँमार (बर्मा) से घिरा है। राज्य की राजधानी 'कोहिमा' है, जो नगालैंड के दक्षिणी भाग में स्थित है।
  - नगालैंड की जलवायु 'मानसूनी' (आर्द्र और शुष्क) है। यहाँ वार्षिक वर्षा का औसत 70 से 100 इंच के बीच है और यह दक्षिण-पश्चिम मानसून (मई से सितंबर) के महीनों पर केंद्रित होती है।
- **जैव विविधता:**
  - **वनस्पति:** नगालैंड के लगभग एक-छठे हिस्से में वन हैं। 4,000 फीट से नीचे उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय सदाबहार वन मौजूद हैं, जिनमें ताड़, रतन और बाँस के साथ-साथ मूल्यवान लकड़ी प्रजातियाँ शामिल हैं। शंकुधारी वन अधिक ऊँचाई पर पाए जाते हैं। 'झूम' खेती

(स्थानांतरण खेती) हेतु साफ किये गए क्षेत्रों में घास, नरकट और झाड़ीदार जंगल भी पाए जाते हैं।

- **जीव:** हाथी, बाघ, तेंदुए, भालू, कई प्रकार के बंदर, सांभर, हरिण, भैंस, जंगली बैल और गैंडा निचली पहाड़ियों में पाए जाते हैं। राज्य में साही, पैंगोलिन, जंगली कुत्ते, लोमड़ी, सिवेट बिल्लियाँ और नेवले भी पाए जाते हैं।
  - मिथुन (ग्याल) नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश का राज्य पशु है।
  - 'बेलीथ का ट्रैगोपन' नागालैंड का राज्य पक्षी है।

- **जनजाति:**
  - 'कोन्याक' सबसे बड़ी जनजाति हैं, इसके बाद आओस, तांगखुल, सेमास और अंगमी आते हैं।
  - अन्य जनजातियों में लोथा, संगतम, फॉम, चांग, खिमि हंगामा, यिमचुंगर, ज़ेलिआंग, चाखेसांग (चोकरी) और रेंगमा शामिल हैं।
- **अर्थव्यवस्था:**
  - कृषि क्षेत्र, राज्य की आबादी के लगभग नौवें-दसवें हिस्से को रोज़गार देता है। चावल, मक्का, छोटी बाजरा, दालें (फलियाँ), तिलहन, फाइबर, गन्ना, आलू और तंबाकू प्रमुख फसलें हैं।
  - हालाँकि नागालैंड को अभी भी पड़ोसी राज्यों से भोजन के आयात पर निर्भर रहना पड़ता है।
- **नगालैंड में संरक्षित क्षेत्र:**
  - इन्तानकी राष्ट्रीय उद्यान
  - सिंगफन वन्यजीव अभयारण्य
  - पुलीबद्ज़े वन्यजीव अभ्यारण्य
  - फकीम वन्यजीव अभयारण्य
- **प्रमुख महोत्सव:**
  - 'हॉर्नबिल महोत्सव' प्रतिवर्ष 1 से 10 दिसंबर तक नगालैंड में आयोजित होने वाला उत्सव है।
  - इस त्योहार का महत्त्व इस तथ्य में निहित है कि यह एक प्राचीन त्योहार नहीं है और इसे वर्ष 2000 में नगालैंड को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाने हेतु शुरू किया गया था।

नगा:

- नगा पहाड़ी नृजातीय समुदाय हैं जिनकी आबादी लगभग 2.5 मिलियन (नगालैंड में 1.8 मिलियन, मणिपुर में 0.6 मिलियन और अरुणाचल में 0.1 मिलियन) है और ये भारतीय राज्य असम एवं बर्मा (म्याँमार) के मध्य सुदूर व पहाड़ी क्षेत्र में निवास करते हैं।
  - बर्मा (म्याँमार) में भी नगा समूह मौजूद हैं।
- नगा एक जनजाति नहीं है, बल्कि एक जातीय समुदाय है, जिसमें कई जनजातियाँ शामिल हैं, जो नगालैंड और उसके पड़ोसी क्षेत्रों में निवास करती हैं।
- नगा समुदाय में कुल 19 जनजातियाँ शामिल हैं- एओस, अंगामिस, चांग्स, चकेसांग, कबूइस, कचारिस, खैन-मंगस, कोन्याक्स, कुकिस, लोथस (लोथास), माओस, मिकीर्स, फोम्स, रेंगमास, संग्तामास, सेमस, टैंकहुल्स, यामचुमगर और ज़ीलियांग।

स्रोत: पीआईबी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nagaland-statehood-day